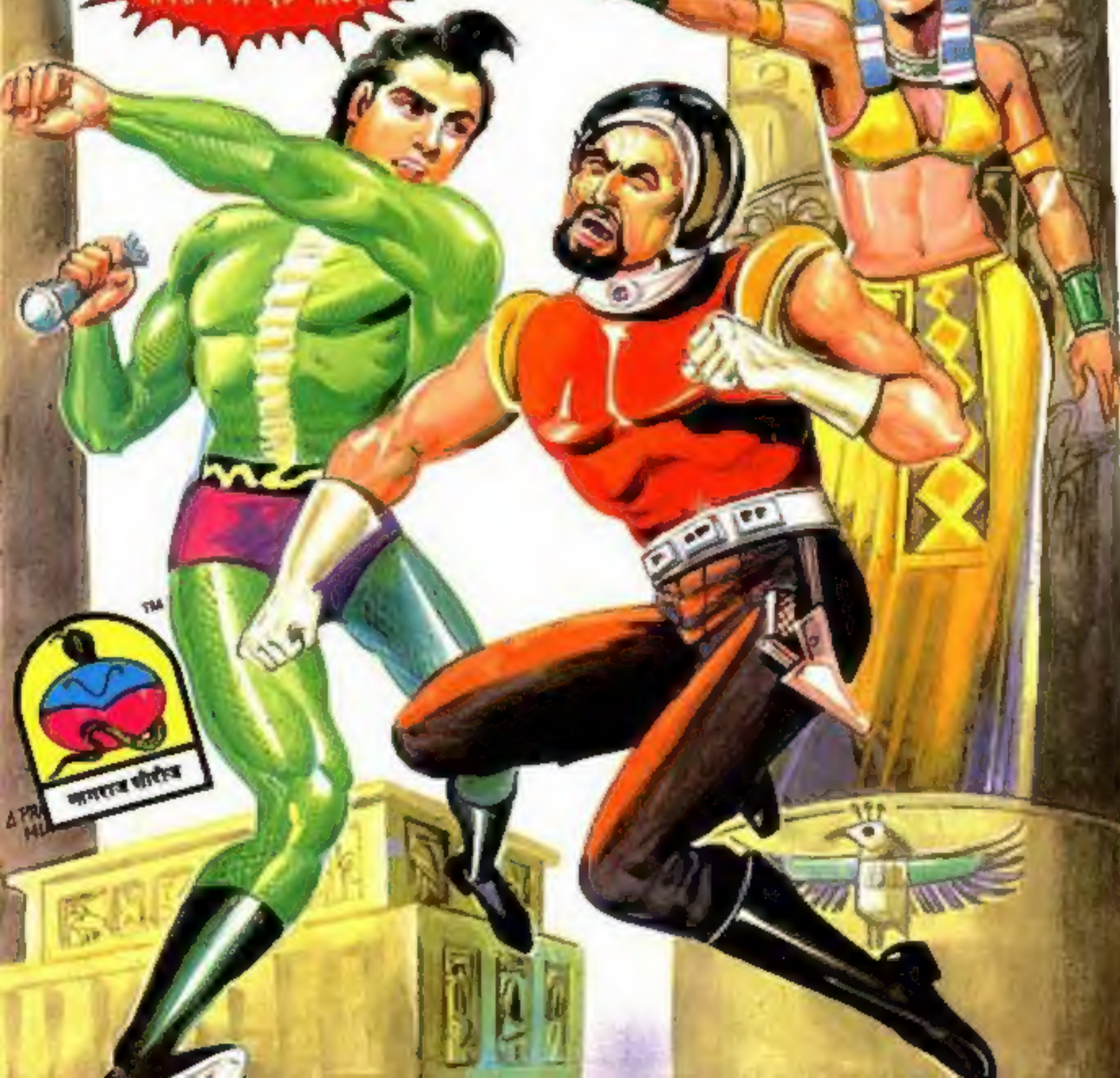


राज
कॉमिक्स

मूल्य 15.00 संख्या 390

विराजिडों की रानी नागराज

मुफ्त
नागराज का एक पोस्टर



नागराज और पिरामिडों की रानी

लेखक: लक्ष्मण कुमार वल्ली
कल्पक: मनीष चंद्र गुप्त
कथा निर्देशक: प्रताप मुखर्जी
चित्र: चन्दू
सुविध: उदय भास्कर



रहस्यमय पिरामिडों के देश मिस्र की राजधानी,
काहिरा! जहाँ आजकल मंडसया था एक अभूतपूर्व संकट!

क्या था वह संकट, जिसे दूर
करने आ पहुँचा था नागराज?

एक बार फिर, काहिरा की धरती पर -

पिरामिडों के रहस्यमय संसार में।



भारत- एक्ज फूड इंडस्ट्रीज लिमिटेड ॥ विज्ञापन रूप
से बच्चों के लिए बनी पौष्टिक एवं अतिस्वादिलिप्त
डबलरोटी 'जेप्सी' के वितरण के लिए फैक्टरी से
बाहर निकलना कम्पनी का वह ट्रक ॥



और पप्पू बेकरी पर मची थी
धूम-

PARBU BAKERY



एक दिन पहले बाजार में
आई 'जेप्सी' के दीवाने, ये बच्चे -



झोल ॥ झोल ॥ 'जेप्सी' का एक
भाला ही होगा जेप्सी-पुंड लेकर
वो वो आ बन्धी जेप्सी।





जरा मी तो स्लोफ नहीं स्पाया था मासूम ने-



कैसा करिडमा था? कैसी थी ये विडम्बना?



अगर वह आत्महत्या नहीं थी तो ये क्या था?

उसी की तरह यह मासूम खुद ही मूल गई थी फांसी के फंदे से।

इंस्पेक्टर मोहन भण्डारी का बेटा -

पापा के सर्विस रिपॉजिट की एक गोली मुझे सदा की नींद सुला देगी।



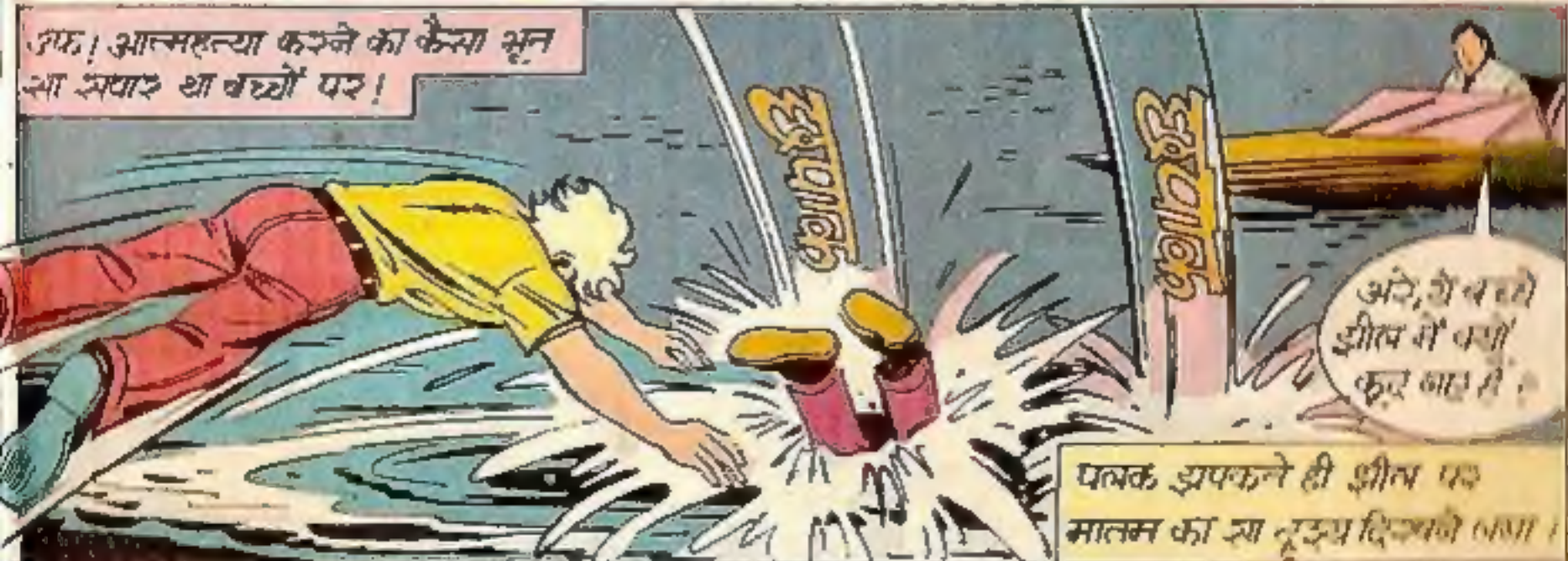
और तूफान मच गया लैब में। चीख पड़े लैब इंचार्ज मिस्टर कणेश -



शूरेप-बुलबारा की राजधानी, सोफिया -



उफ! आत्महत्या करने का कैसा भूत था समाचार था बच्चों पर!



फ्रांस की राजधानी पेरिस -



विश्व का एक
अडर्य-एफिल
टॉवर ।



बग़्गे-मुन्नों की वह लोथी क्या
संघ-सी है

इतनी ऊँचाई से
बिड़ कर एक ऐनि-
हासिक मौन
मिलेगी मुझे !

एफिल
टॉवर से बिड़
कर मैं सचमुच
जिन्द नहीं
बचूँगा ।



और चीखें निकल गई अन्य
पक्षियों के मुँह से-

बच्चों एफिल टॉवर
से कूद गए हैं ।

बच्चों द्वारा
आत्महत्या !



एशिया-प्रधान हॉन्कॉंग -



अगर मैं वे
बोले दूसरी बोले से
एकराई - तो मेरे जिन्म
के चौमड़े उड़ जायेंगे । वाह !
अब होगी एक छान-
दार मौत ।

चिखते ही तो उड़ा मित्र
 शे-मने अपने मित्रके-

धड़ाम



कुर्कैत-स्थान, आपकुर्कैत।



कार के पेट्रोल टैंक में आग दो आत्महत्या हुई
 तीली। और हो जाये अल्लाह के प्याये



बारूद के समान फट गई कार।



हंसते-हंसते खुद को मांस के गोष्ठियों में बदल
 बिठा था मौत के उस दीवाने ने।

विश्व के छोटे-बड़े देश हैरान थे। दुनिया भरके बच्चों पर
 यह कैसा प्रभावजन सकार हो गया था।



बच्चों द्वारा आत्महत्याओं की बढ़ती आवाज थी।
 विश्व की जासूसी एजेंसियां एक-एक सक्रिय
 हो उठीं।

लेकिन परिणाम की...

नागराज !

प्रोफेसर नागमणि का
आविष्कार !

बाबा गोरखनाथ
का शिष्य !

मानवता का रक्षक !

जिसके जन्म में
गम्य करने हैं
सैकड़ों वर्ष उसके
इसारे पर हम
की दुनिया में
स्वर्णायुग मचा
हैं जो ।

लेकिन आज खुद
नागराज के मन-मस्तिष्क
में मची थी स्वाध्यायी !

इतना बेधेन ! इतना
स्तब्ध कभी न रहा था
नागराज !

विश्व के मायूम
कर्णधारों द्वारा आत्महत्या
की प्रवृत्ति के जन्म लेने के
पीछे कौन सी अंतर्निहित शक्ति
है, मुझे पता लगाना
है उसका ।



नागराज और पिरामिडों की रानी

इसकी के उत्तर में क्या (वीर हज़ार की कुल आबादी वाला) पिछले का सबसे बड़ा देश बन-मैरिज !

होपी-क्राउस्ट पब्लिक स्कूल की वह बस बज्रह्वयों की लेकर अपना संचालन का सफर तय कर रही थी...

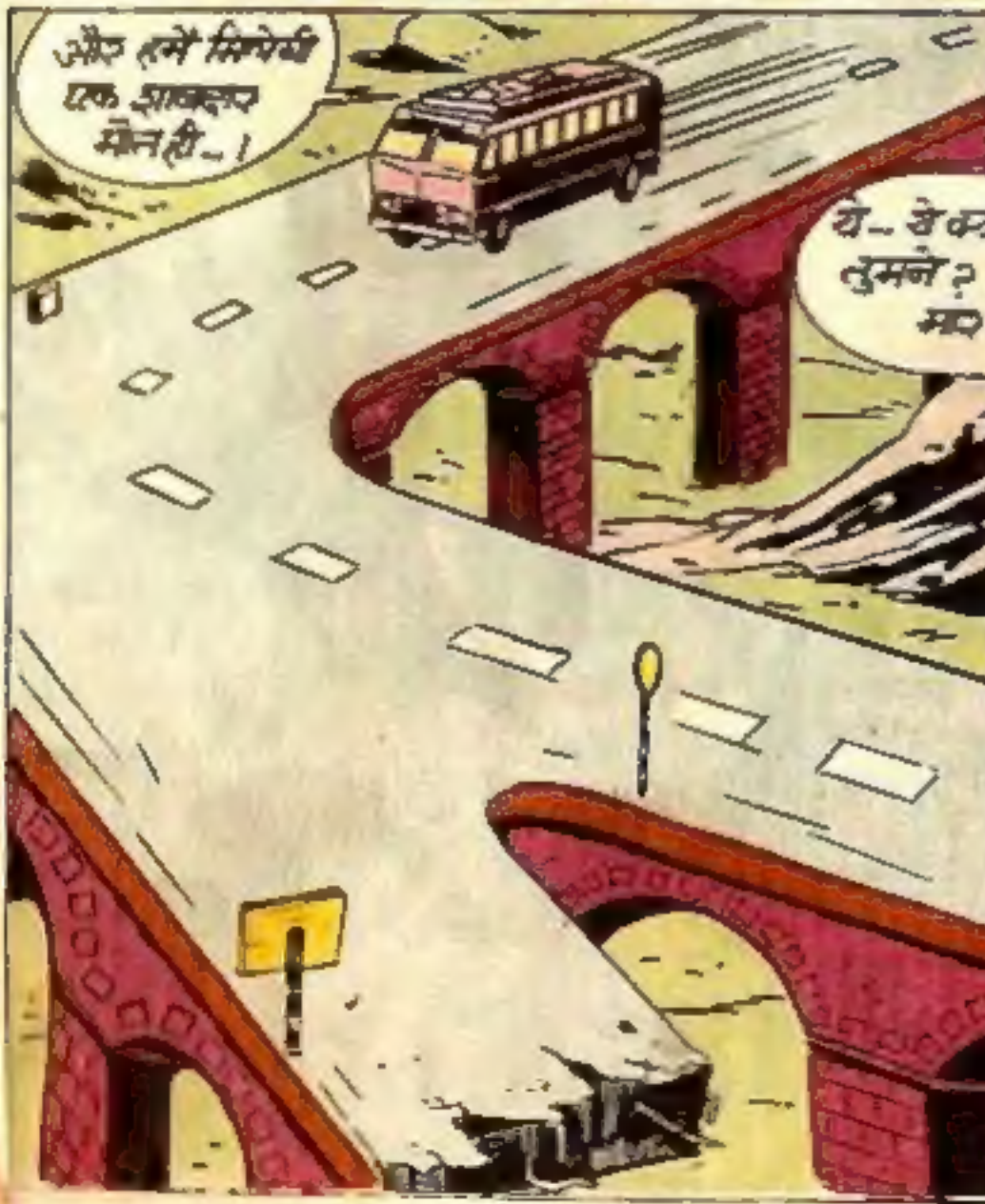


कि मुझे ज़ाने अपना भयंकर जड़ फेंक दिया-



हम एक शाकदार मौन चाहते हैं।

आह!



और हमें सिनेमा एक शाकदार मौन ही...

कम में गह बर्द छिन्ने-पुकार ! मौन के आकर से जड़ हो गए वे अन्य युवा-युवक, जिन्हें मौन की चाहत नहीं थी।

ये... ये क्या किया तुमने ? कुइपर को मार डाला !



कम और कम और

कम साई की ओर जा रही है। एक।

हमपां सड़क पर लूफान स्त्री गति
एकड़ापि थी बिना झुंझर की बसने -

हा-हा-हा!
कुछ पाप बाद मिलेगी
एक आनंदर मौन -

HELP!
HELP!

आवधान!
आने पुन
क्षतिग्रस्त है!

OH, GOD!
HELP US!

कई मायूम जिन्दगियों और उनकी मौन के बीच
थ केवल कुछ ही मीटर का फासला।

जिसे बचने न दिया था नागरिकों ने -

नागरिकों, जिसका अर्थ था - नागरिकों की मौजूदगी

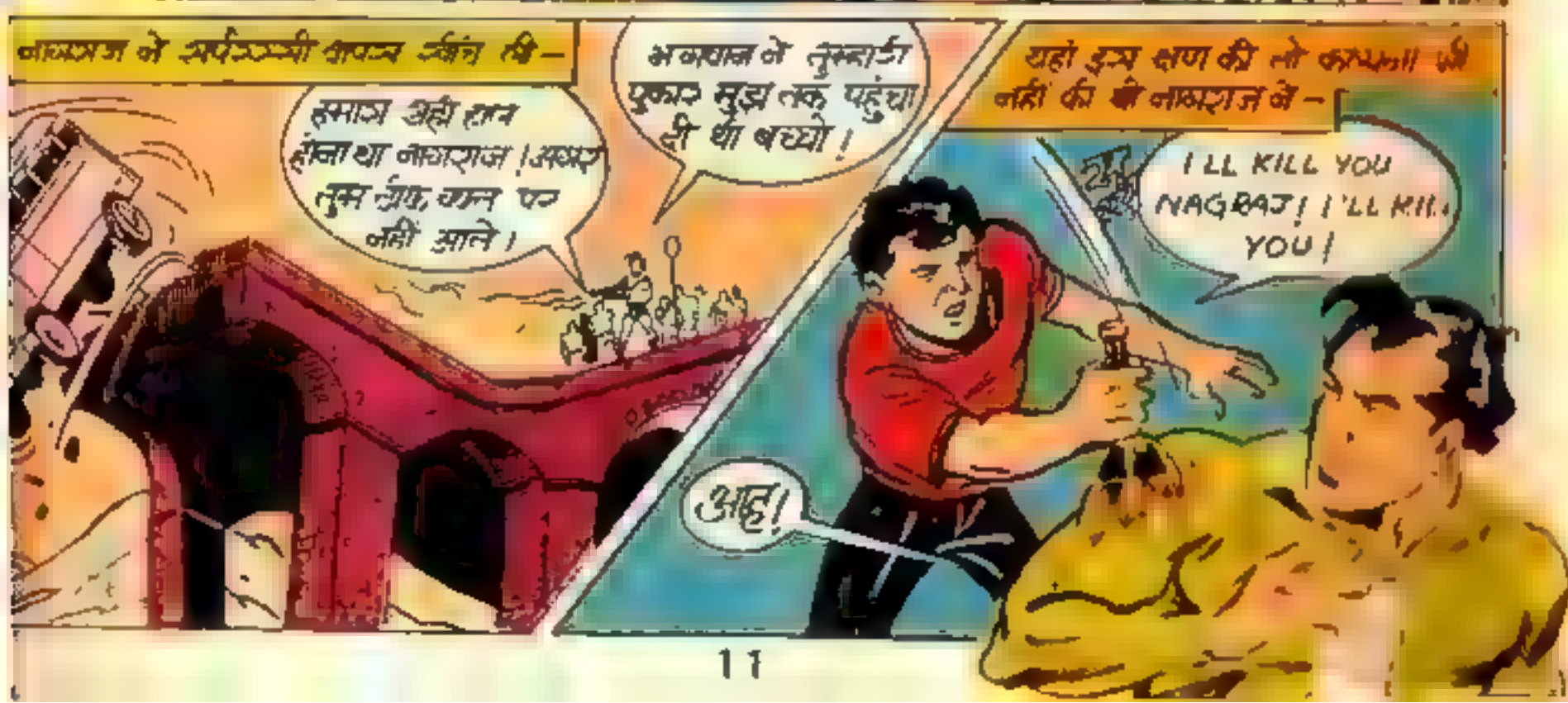
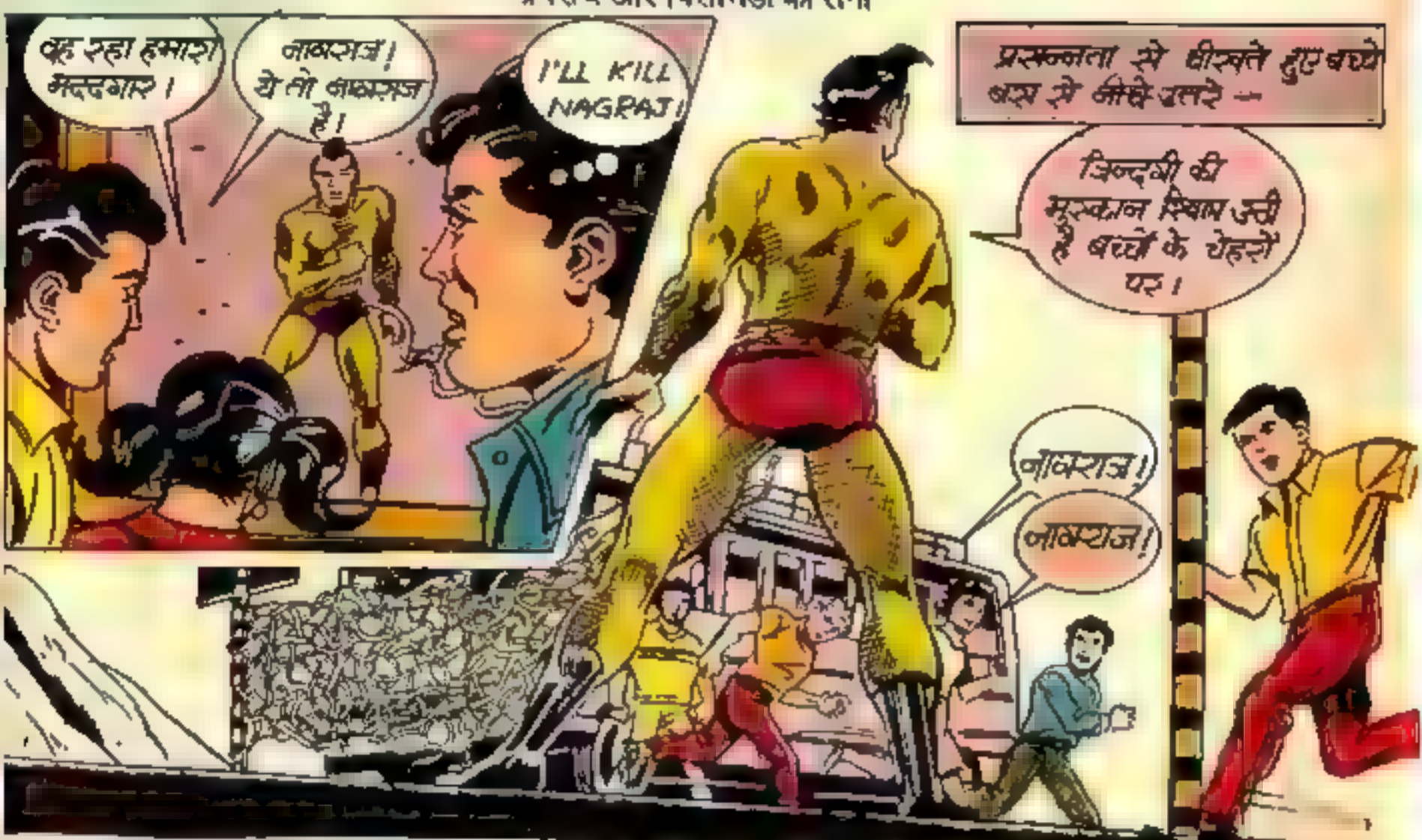
मौन की दहशत से धरधर कांपने लगे -

अरे!

ये क्या कैसे
जक गई?

आनंदर मौन
का सपना
किसने तोड़ा?

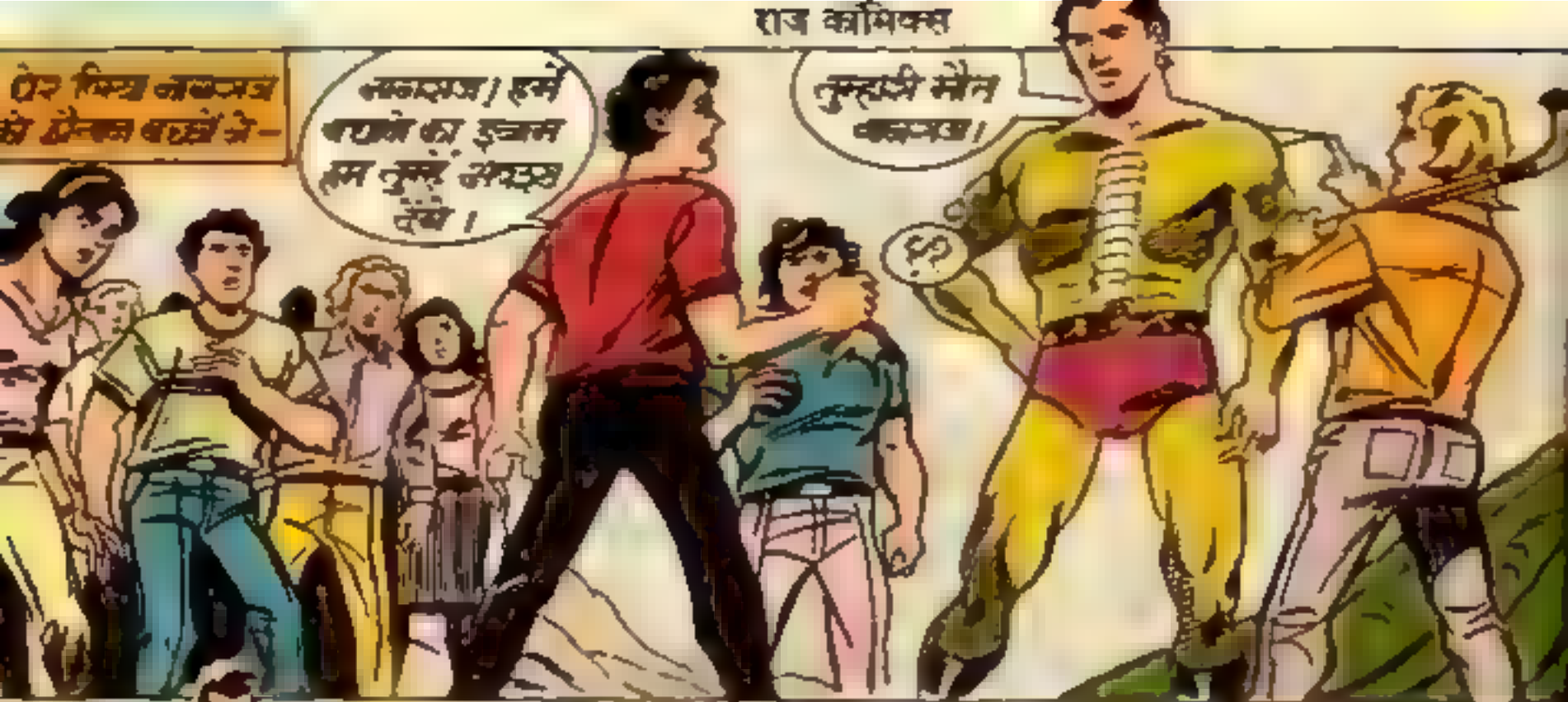
अगर मुझे एक पाप
देर हो जाती तो बस
गहरी खाई में
जा बिरली।



ऐस किया नक़्क़ा
हो ऐसका बख़्शें मे-

नक़्क़ा। हमें
बख़्शें का इज्जत
हम तुम्हें नक़्क़ा
देवें।

तुम्हारी मौत
कक़्क़ा।



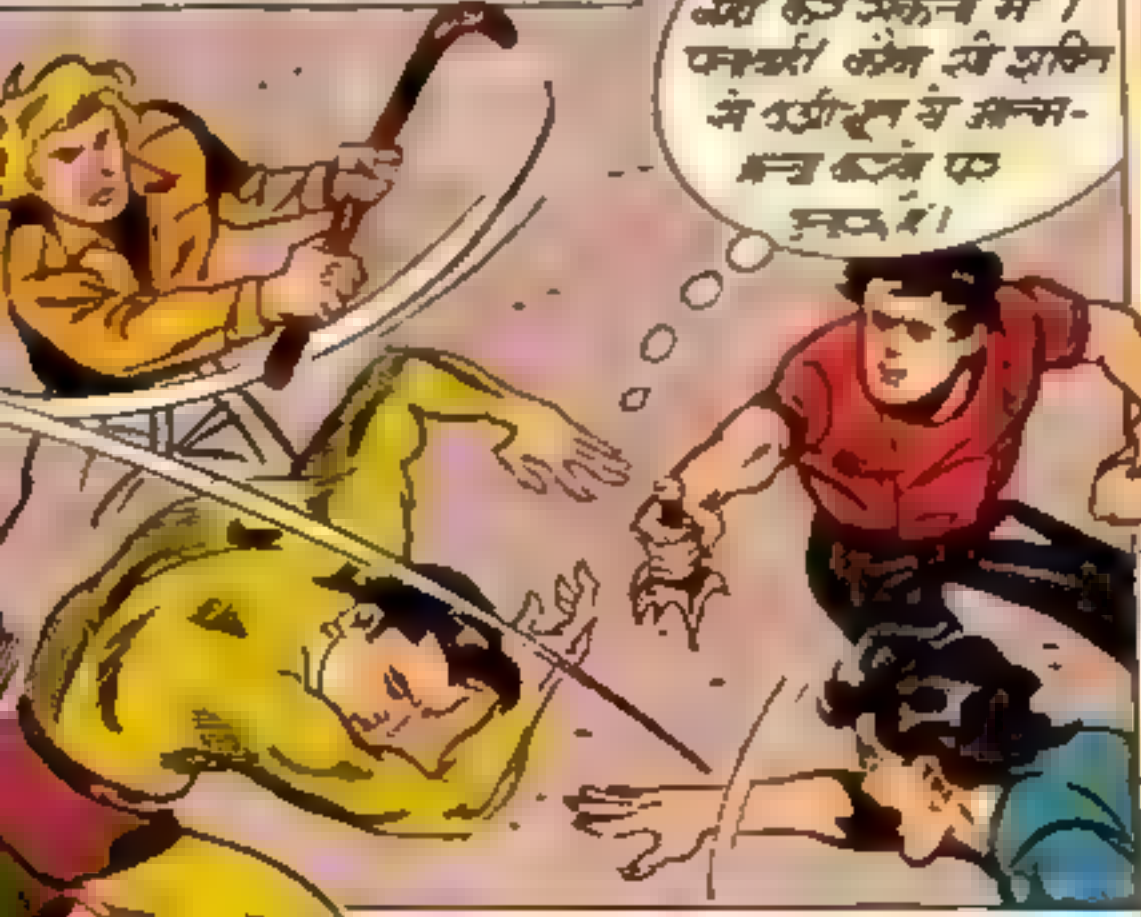
नक़्क़ा नक़्क़ा। वे सभी
मौत जानें हैं। इन्हीं के कारण
हम सब मुरख़ान में
फ़ले हैं।

तुम्हें तरह से उस चोंक एल कक़्क़ा

आक़्क़ा
अह!



सब एक साथ दूट पड़े बग़ल पर-



इस नक़्क़ा पर जो
करी का मक़्तब मैं।
फ़ाक़ी केंद्र से इति
में उड़ी हूँ ये मक़्त-
बन कक़्क़ा पर
झक़्क़ा।

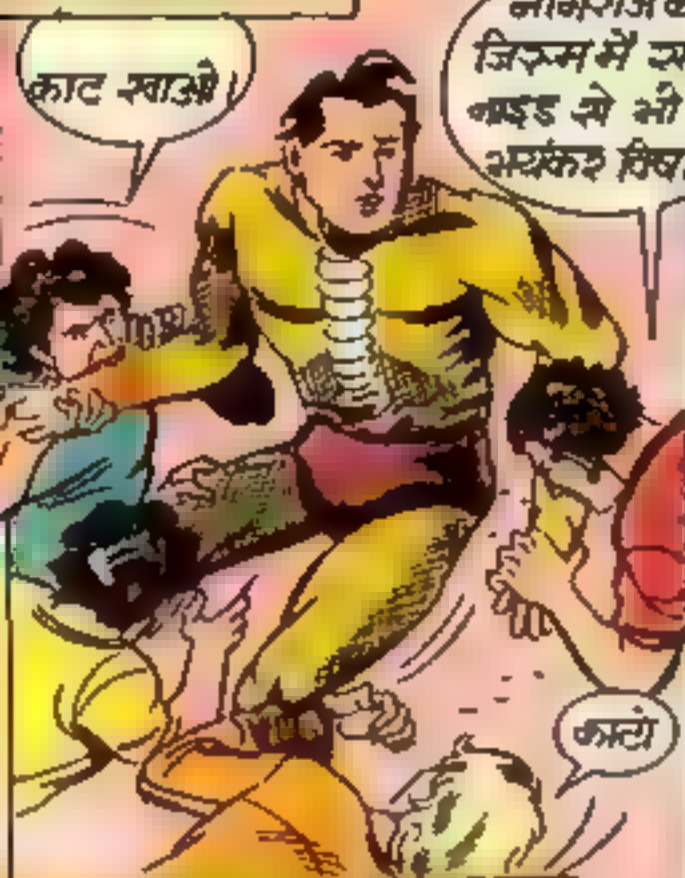
नक़्क़ा ने उन्हें बेमोता कर देखा हो
रहित समझ किन्तु -

कक़्की विष-
पुंजा इन्हें बहोत
का देवें।



कक़्की, हमें
बेमोता करी देवें
हमें मक़्तब

इस दुष्ट की तो कल्पना भी नहीं कर
सकता था नागराज -



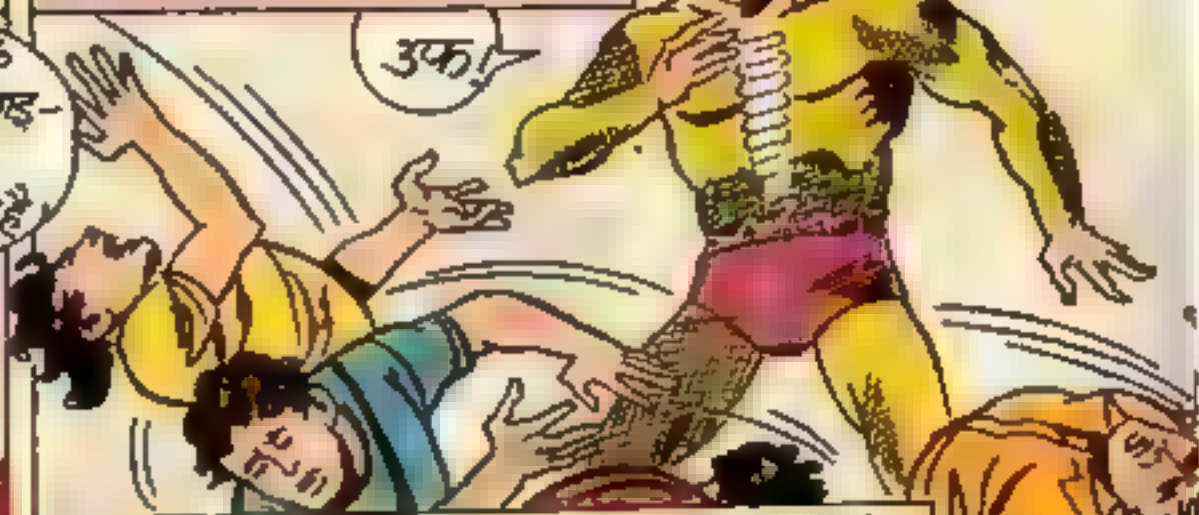
काट खाओ।

नागराज के
जिस्म में यह-
बाइड से भी
भयंकर विष है।

क्यों

लौन बढ़ा दियो क्यों बच्चों ने
नागराज के आँखें पड़े।

उना ख खड़ा रह गया नागराज।



उफ!

भयंकर विष समझा क्या क्या था ऊँके जिस्मों में।

पिछले जमे गए तीव्र विष के प्रभाव में आँखें उन मायूमों के



आत्महत्या का
मुकुल संसार था
इस पर तो।

नागराज से सब
भयंकर भयंकर ?

मैं जानती थी वे
खुद को जकम
कर देंगे।

किन्तु मेरा ही जिस्म इनकी
मौत का कारण बन गया।

नागराज! आन-
मरिजों में आजकाल तो
ही चीखें बच्चों के लिए
रक्तस्राव का
विषय हैं।



जेप्पी ब्रेड! ओं
आत्महत्या।

जै-
जेप्पी ?



हैं नागराज! हमसे भी भुजा
है जेप्पी ब्रेड के विषय में। बच्चों
जेप्पी के दीवाने हो गए हैं
नागराज!

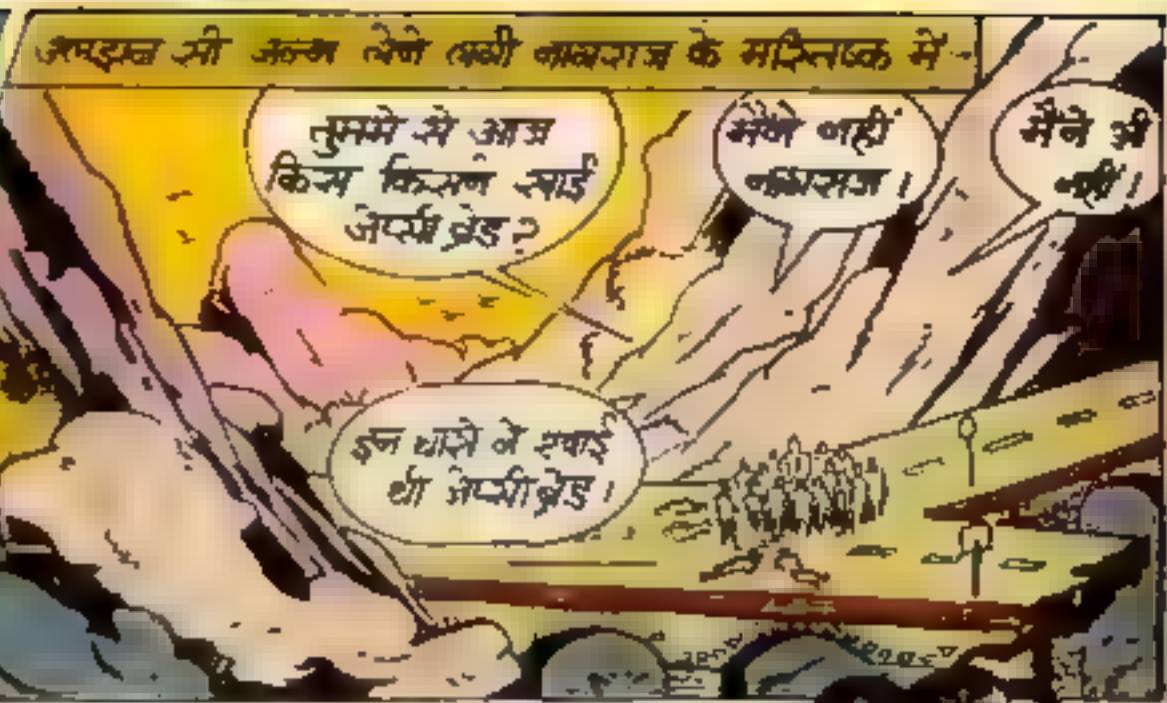
मैं पिछले दो
दिनों से दंड खा
हूँ जेप्पी।





...लेकिन कब आती है और कब थक जाती है जेप्सी, पता ही नहीं चलता।

जेप्सी



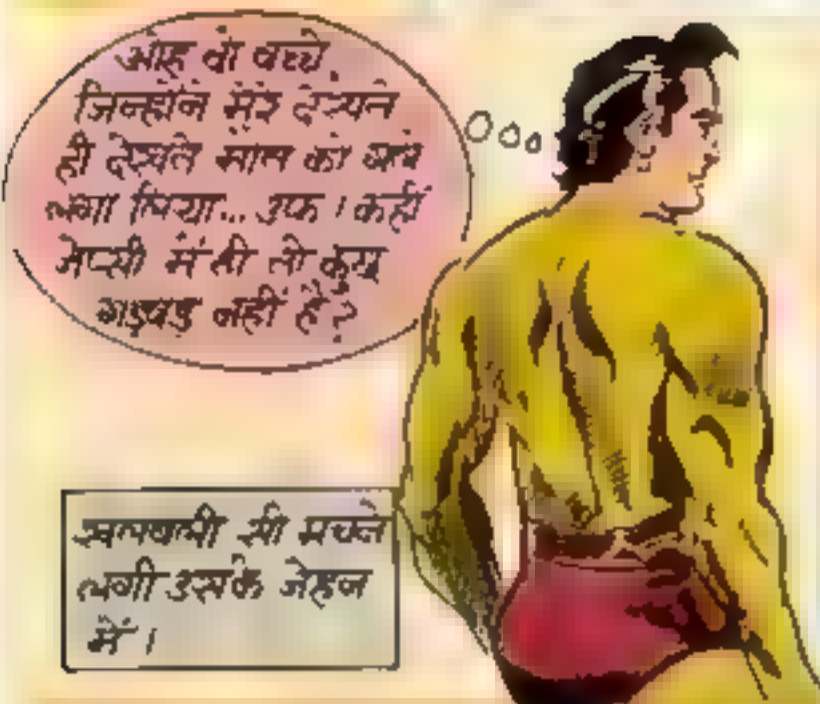
जपान की जल तैरे लकी नागराज के मस्तिष्क में-

तुमसे से आज किस किसने साई जेप्सी ब्रेड?

मैंने नहीं नगराज!

मैंने भी नहीं!

इन घासे ने साई थी जेप्सी ब्रेड!



आह वो वर्ये जिन्होंने मंरे देखने ही देखते मान का अर्थ लगा लिया... एक। कहीं जेप्सी मंरी ले करूँ गाइड नहीं है?

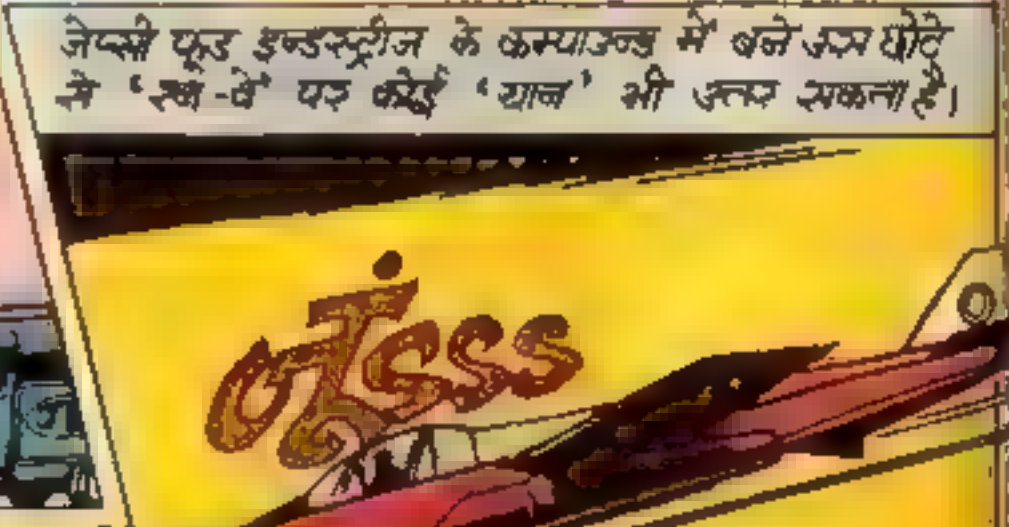
जपान की मंरी लगी उसके जेहन में।



शुक्रिया कहे देखते तुम्हारा बहुत-बहुत शुक्रिया, नगराज की सोचने की एक दिया दी तुम्हारे।



एक फूड इंडस्ट्रीज, जल मस्तिष्क!



जेप्सी फूड इंडस्ट्रीज के कम्पाउन्ड में बने उस छोटे से 'ख-वे' पर कोई 'यात्र' भी उत्तर सकता है।



यूरोप का सबसे खतरनाक वैज्ञानिक 'डॉन' था
उस यान में -

'सर - डॉन' का
स्वागत है!

कहो फ्रांसिस्को!
कैसे हो?

सर डॉन और उसके यान के विधाय में जख्म के स्थान पर - 'नागराज और राजमहल की खोज'

अच्छा हैं सर डॉन, लेकिन कसाव का
है आपका ये यान। प्रकाश की गति से
चलता है, यहां तक कि गडार
तक इसके सामने में धोखा
ला जाते हैं।

इसके बिना हम
अधुरे हैं फ्रांसिस्को। दुनिया
भर में 'जैप्पी' के साथ यान-
मैरिनो में काली है...

... जैप्पी की डिप्लोमसी
के लिए हमें एक घण्टे
में पूरे संसार का
धककर भगाना पड़ रहा
है। शक्ति इस यान के
बिना मुश्किल ही
नहीं असम्भव है।

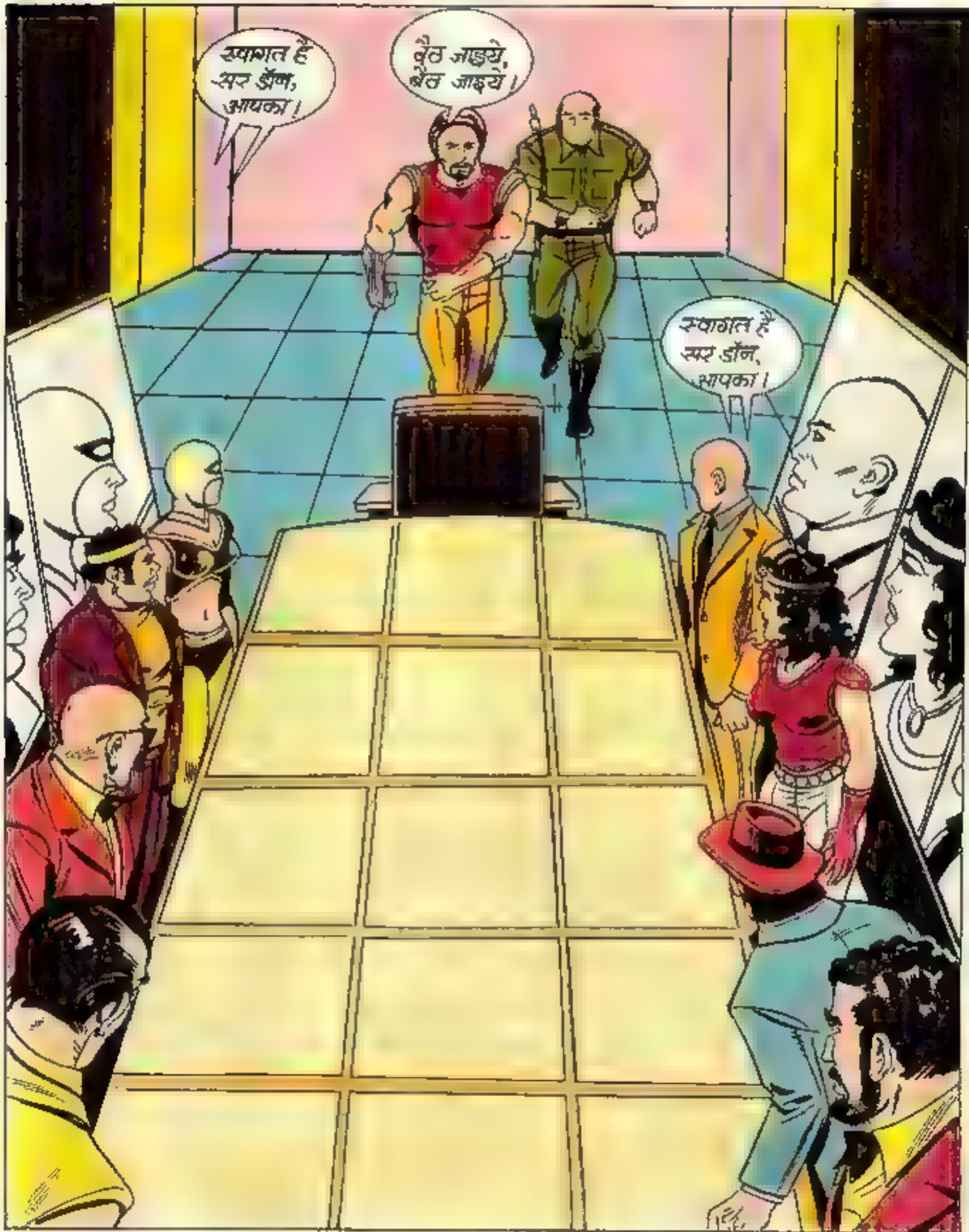
आज हमें जैप्पी
की फुल रिपोर्ट लेनी
है विश्व भर में कैसे
अपने एजेंटों से।

यह लेख
रिपोर्टिंग क्रम
में आपका ही
इंतजार कर रहे
हैं, सर डॉन!



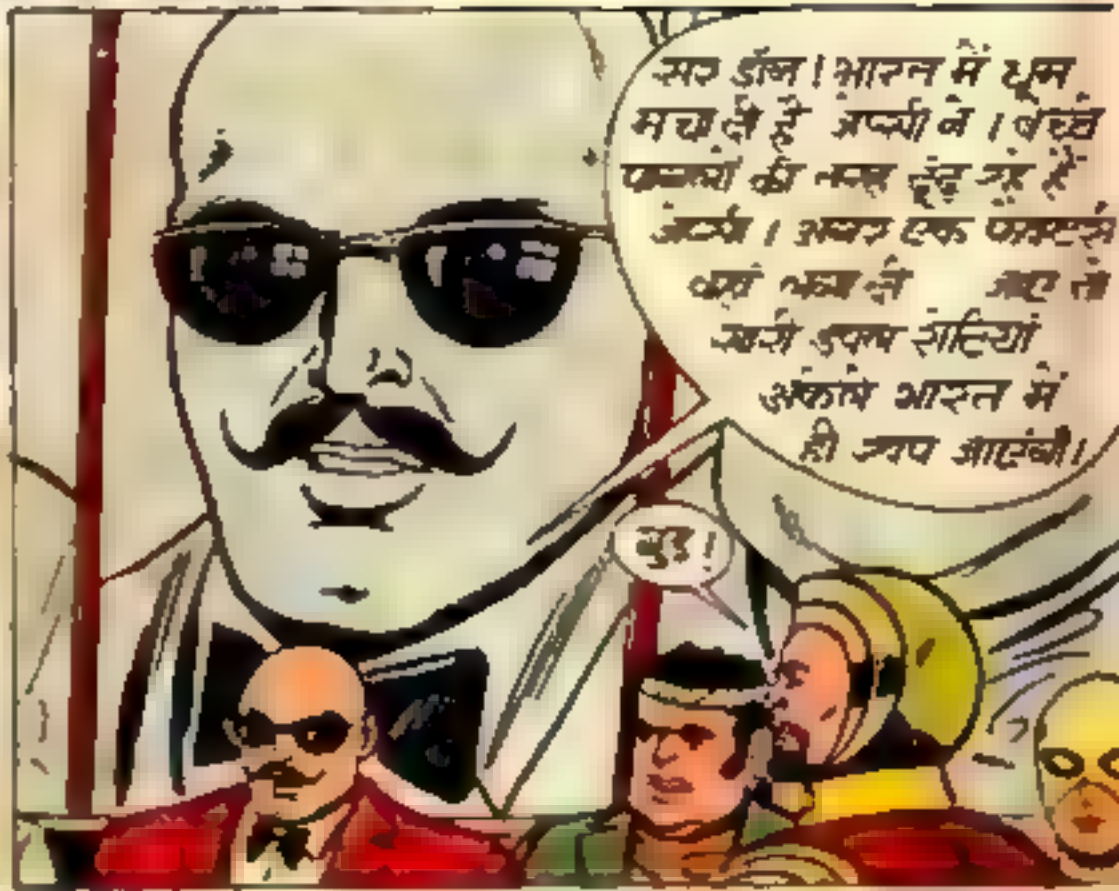
ओह!

REPORTING ROOM





जब तक
अपने-अपने
एशिया की अपनी
रिपोर्टें पेश करें।



सर डॉन! भारत में धूम
मचा दी है जैसी ने। वहाँ
पत्थरों की नक्कलें हैं
जैसी। अगर एक पत्थर
क्या कहा तो यह तो
सबसे बड़ा संस्मरण
अंकित भारत में
ही जग आहंभी।

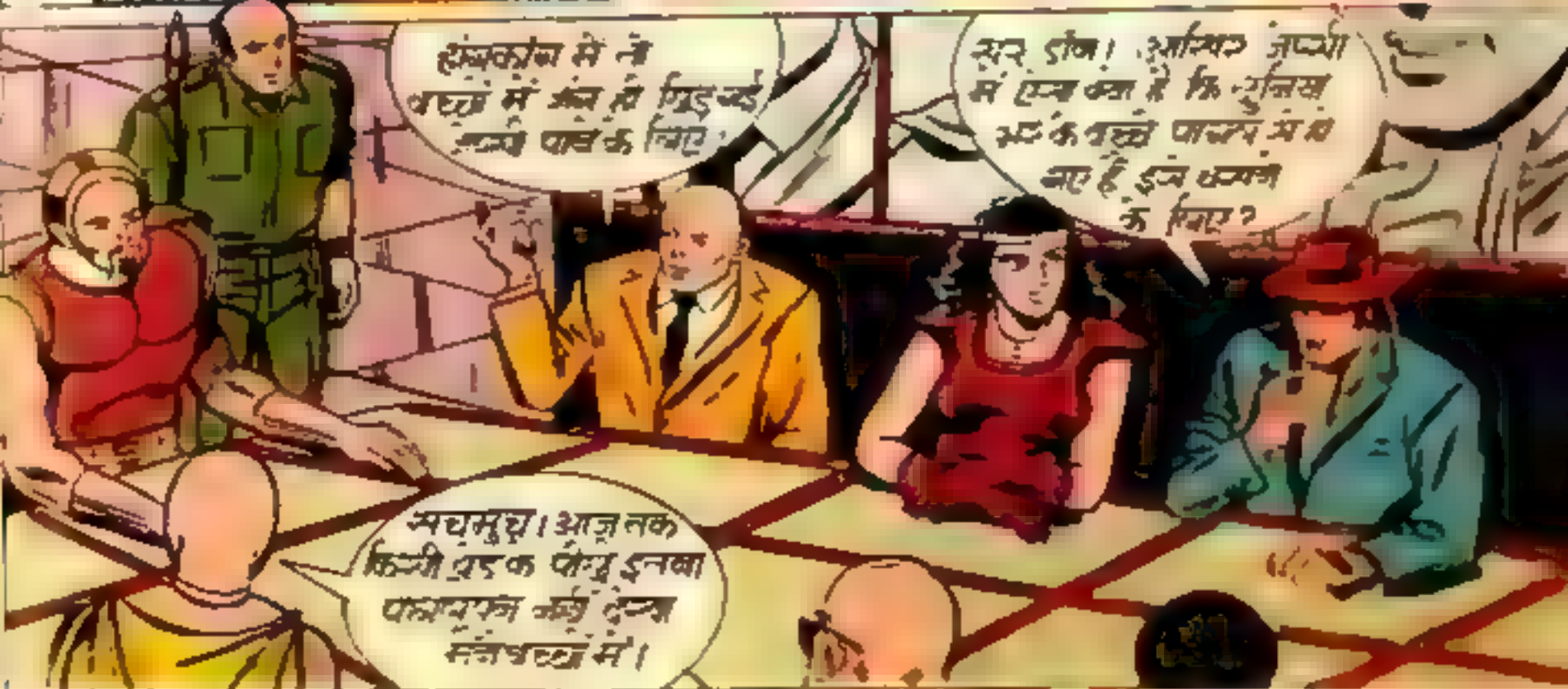
बुड!



युगजायिका के
धरतों का भी
वही हस्त है
सर डॉन।



पेरिस में तो सत का
ही प्रतीकान्त बच्चों की पंक्ति
काला अन्धरा ही जैसी है
अन्धरा!



हस्तकांन में तो
वहाँ में अब ही गिद्ध
जैसी पावक लिए

सर डॉन! आर्य जैसी
में एका का है कि गुनिस
अपके वहाँ पावक में
आ है इन काल
के लिए?

अधमुर। आज तक
किसी एक पंक्ति इनका
पतापता का देखा
संभवतः में।

जवाब में सर डॉन ने भगाया एक विजयी अट्टहास -



हा
हा
हा

सर डॉन से प्रहल करने की हिम्मत कैसे पड़ी तुम्हारी ?

स... ओंसी सर डॉन !



अब मैं ही फल कलश हो गई इसकी मुख्य मुद्रा -



अब आप लोग जा सकते हैं। समय पड़ने पर हम फिर आपको यहाँ बुलायेंगे।



अपने शत्रु की तरफ हम सर डॉन -

अच्छा प्रॉपियरको! इस समय एक बेहतरीन जल्दी कार्य से हमें मिस्र के पिरामिडों में फाँसना है।



तब तक इन्फ्रार-रेडियों की नई खोज नेगाट हो चुकी होगी सर डॉन !

इस उड़ा सर डॉन का वह अज्ञेयता यान। और इस एवम फूड इण्डस्ट्रीज के ऊपर मंडराया कमल ! नारायण !

जल्दी त्रेड में देखा गया है कि वहाँ पाया हो गए हैं इसके पीछे !

वहाँ में आत्म-हत्या का क्रमाद इसी त्रेड को खोजे से बच रहा है !





जेप्पी की तरह
तक पहुंचना हीचा
मुझे।

नागराज! ००

फ्रांसिस्को के हांडा उड़
गाए थे उस इन्शान को
दखकर।



नागराज ने पुकारा तो सांस तक रुक गई उसकी-

ऐ! सुनो। क्या
नाम है तुम्हारा?

फ...
फ्रांसिस्को।

नागराज यहां
क्या करने आया
है? उफ!



एकन फूड इण्डस्ट्रीज
के मालिक से मिलना
है मुझे।

आओ
मेरे साथ।

यह सब-वे
क्या बना है
यहां?

नागराज की बिनाह से छिपकर वह कच्चाई वाली का
एक गुप्त वर्कन दबा चुका था।



अ मुझे पहचान चुका है। इसके
घेहते का घरगृह इस जल की धुलाई
जा रही है। इसका मतलब मे तब
जबकि पर आ पहुंचा है।



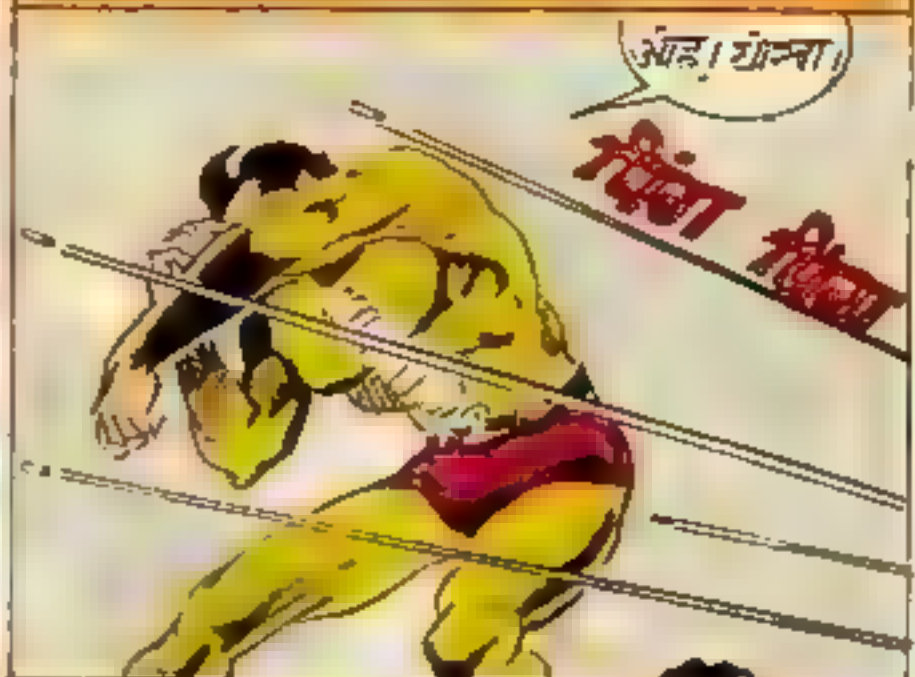
आओ
नागराज।

ये कमी है
ता रहा है
मुझे।

और कम ! यही एक बड़ा नायकत्व !



याने नरक में ब्रह्म नहीं जाँक्यों ही बान्हियों -



नरक में ब्रह्म -

पूरा इंटरनेट है। उफ!

अंतर्गत ने घर मिरा
नायकत्व को -

हाहाहा नायकत्व! यहाँ
अच्छ अपनी मोल धुन
की है नूनन।

यह डॉन
की नायकत्व का
मिर उपहार
मरकपड़ने।

नायकत्व। यहाँ
मन घर। क्योंकि मुझे
दूरस्थ घर करने की
कल्पना नहीं
पड़ती।

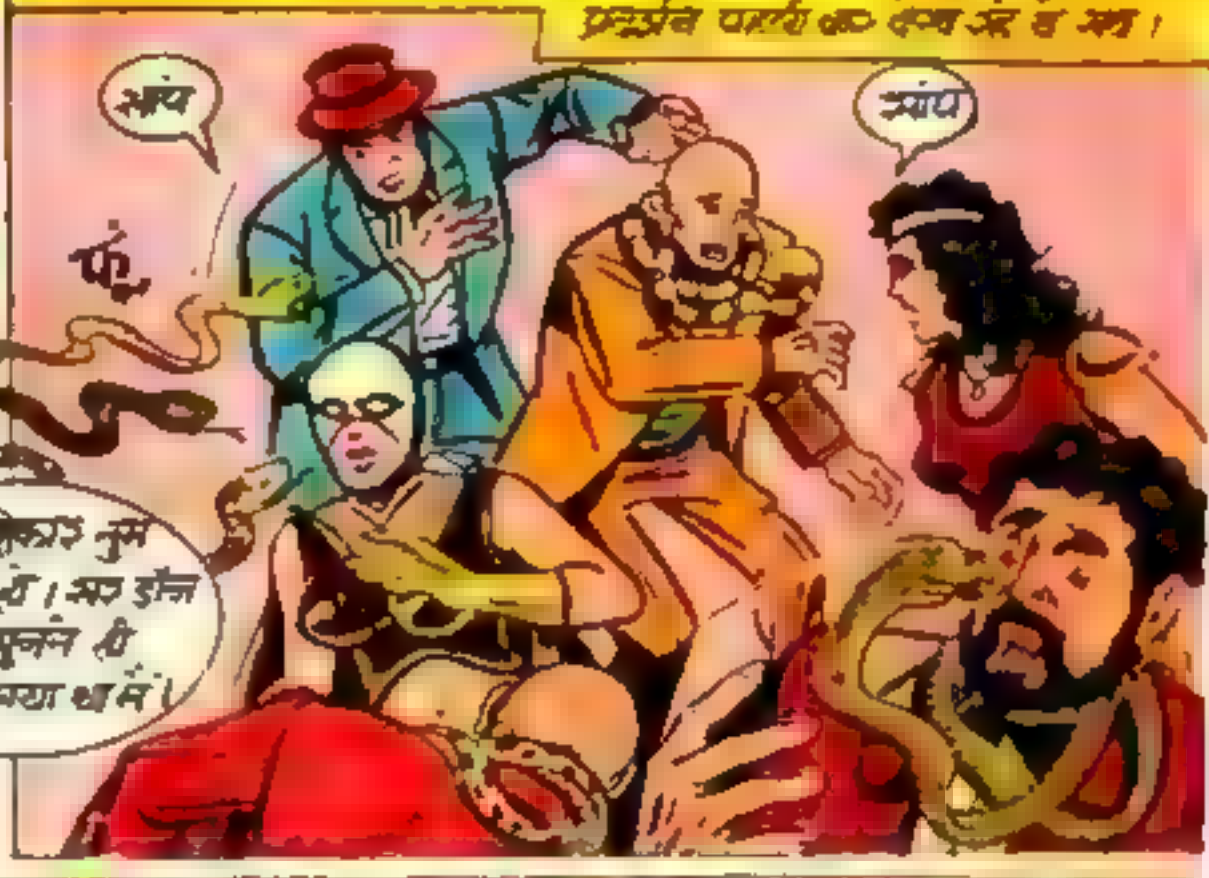
अपने मित्रों
की छिन्ना नहीं है
क्या तुम्हें,
मुझे!

नायकत्व का
मिर कल्पना
मुझे बच्चों का
जग नमड़ा मित्र
है क्या बच्चे?



वाक्यन की जगह में है -

आजकल वाक्यन का काम ही मुझ का काम है। मैं तुम्हारे दुश्मन का दुश्मन बन रहा हूँ।





अच्छा हटा लूंगा।
सर डील अहां क्या
बुलबुला रहा है,
फिर तुम ये
कहाओ।

यह बकवास
हैं इस तरह में
कुछ नहीं मानूँ



सर डील वहाँ से पूरे
मंजूर में 'जेपरी' बड़े
डिप्रीव कर रहे हैं। इससे
ज्यादा हममें से कोई
नहीं जानता बकवास!



इस समय कहाँ
हैं सर डील?

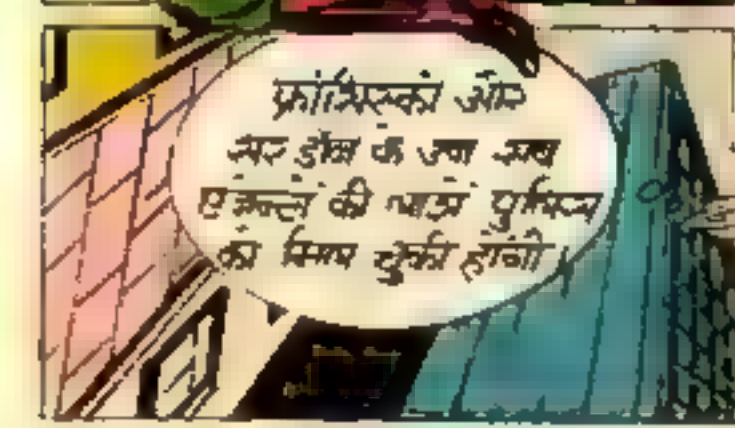
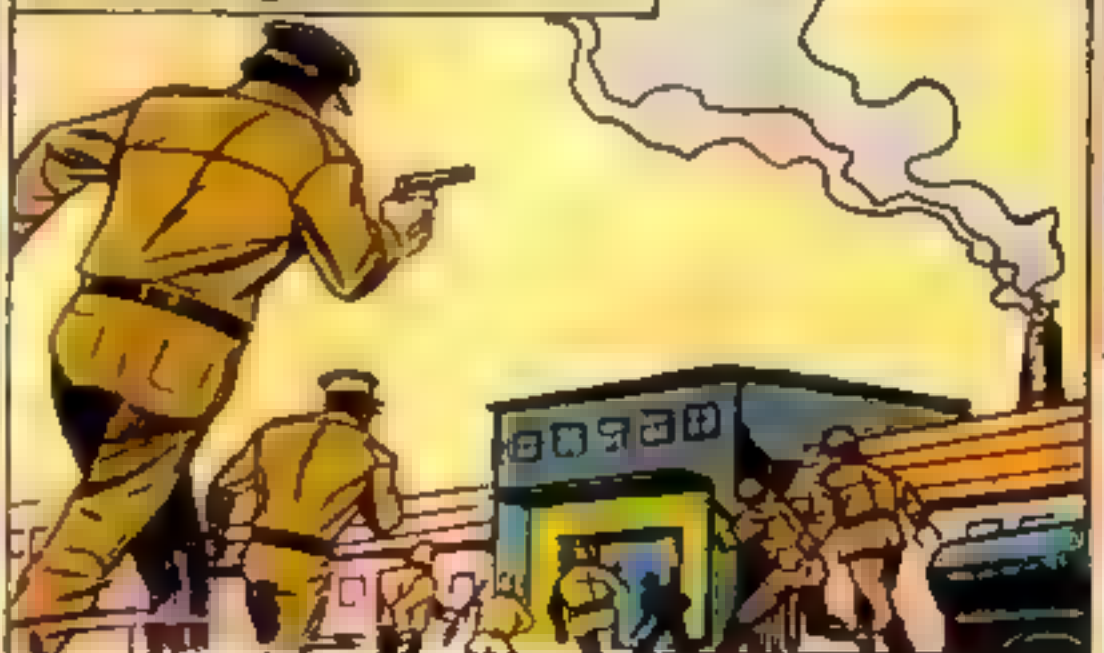
म... मित्रों के
पिरामिडों में।



मित्रों के
पिरामिड।

... सर डील वहाँ
पिरामिडों में क्या
कर रहा है?

जैसे कि जब बकवास वहाँ से गया तो एक बूढ़ा इण्डस्ट्रीज
का अर्ध-अर्ध पुलिस के कठजे में था।



फ्रांशिसका और
सर डील के उन अब
एकल की भाँति पुलिस
का सिप चुकी होंगी।



एक बार फिर मंडरा ज़ुआबा वायव्यमय मित्र
के पिरामिडों की ध्वजा के रूप -

पिरामिडों की ध्वजा
के चप-चप में ध्वजा
है सोइली। मंडरा नक
वही वे जायेंगे मुझे।

पिरामिडों के उस स्वरूपमय संसार के वर्ध में -



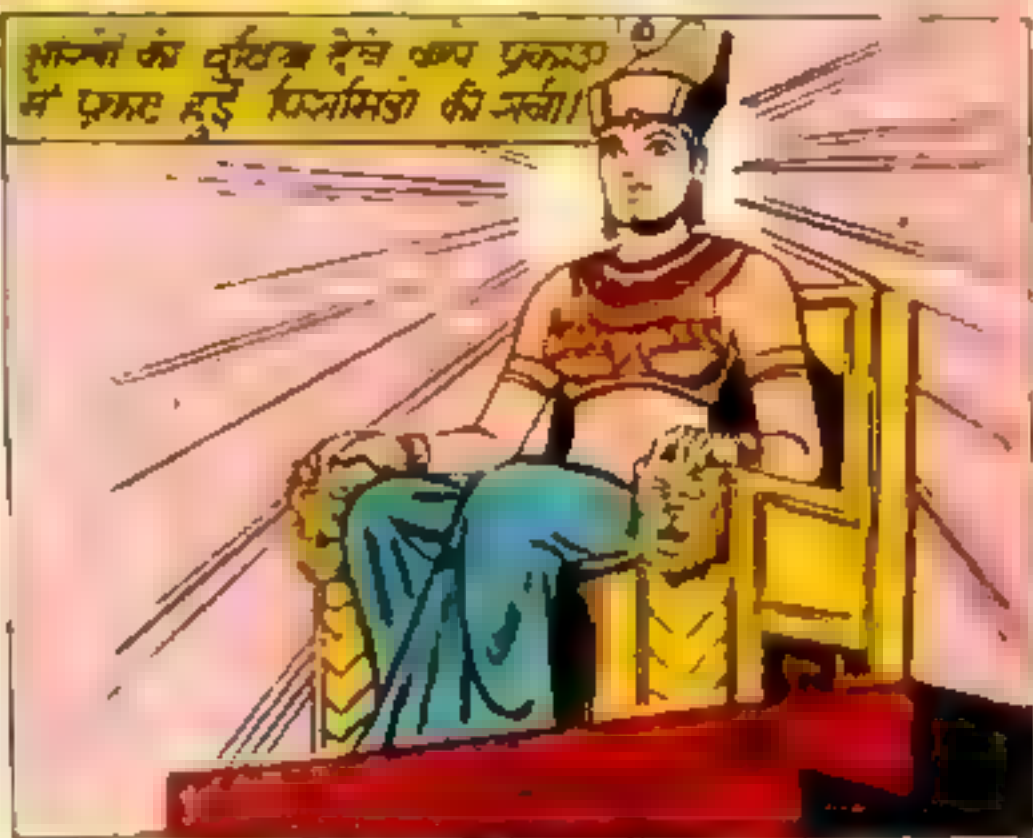
हैं अब 40 अर्कदृष्टों में भी अधिक वर्ध में
स्वरूप मित्र के हि मध्य के हुए हैं।



मंडरा। आपका स्वागत
करता है पिरामिडों की रानी
फिरा के राज महल बुनेन
स्वाम्य की अर्धनिर्मा-
रानी अर्धस्वाम्य।



मंडरा के वृद्ध देव के रूप प्रकाश
में प्रकाश हुई पिरामिडों की रानी।

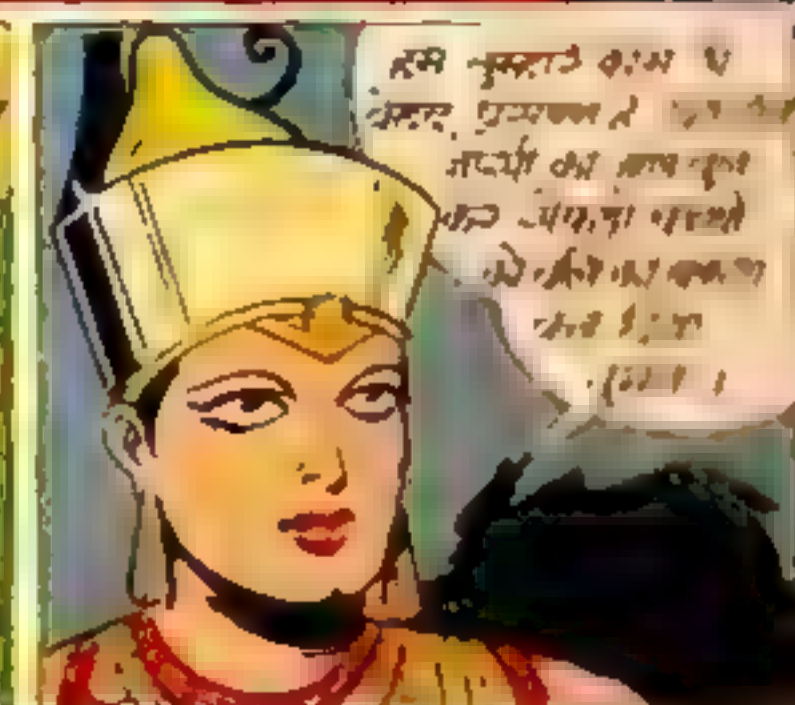


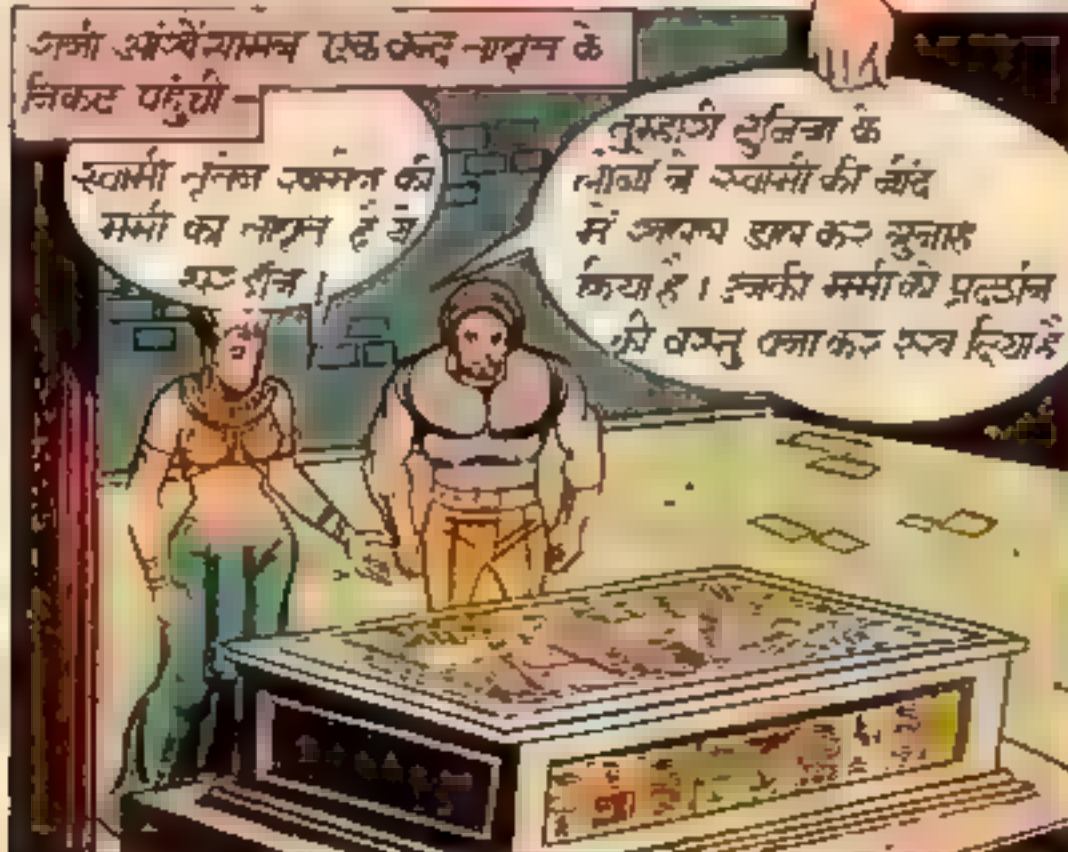
अब नक, इनका लक्षण है मुने की अर्ध
इति न। अब चप-चप पिरामिडों की रानी
के देवक-भायका या हो अर्ध -



पिरामिडों की
रानी अर्धस्वाम्य के
संदर्भ का प्रकाश।

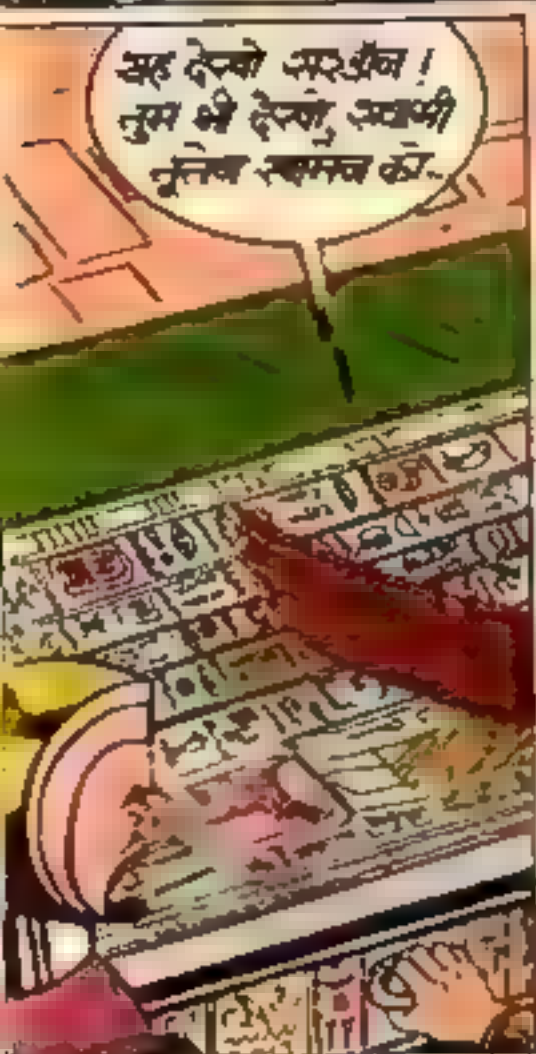
हम मुद्रा के अर्ध
अर्ध प्रकाश है अर्ध
मंडरा के अर्ध
अर्ध अर्ध अर्ध
अर्ध अर्ध अर्ध
अर्ध अर्ध अर्ध
अर्ध अर्ध अर्ध







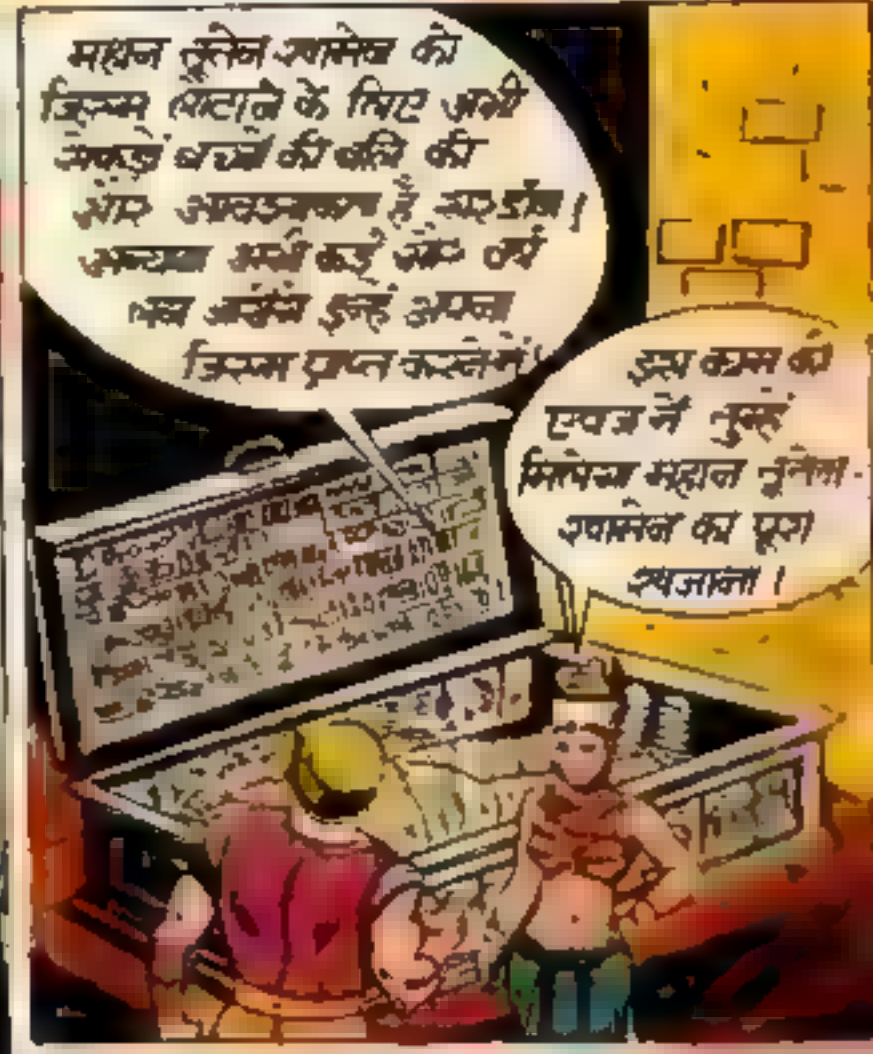
— जिसका केवल एक दृष्ट
में स्वयं की कल्पना की —
एक स्वयं की कल्पना की
नृत्य स्वयं की कल्पना है
अपूर्ण मानव प्रकृति।



अह देखो अह देखो !
तुम भी देखो, अपनी
नृत्य स्वयं की कल्पना की



— जीवित होना है
अभी इन्होंने ।



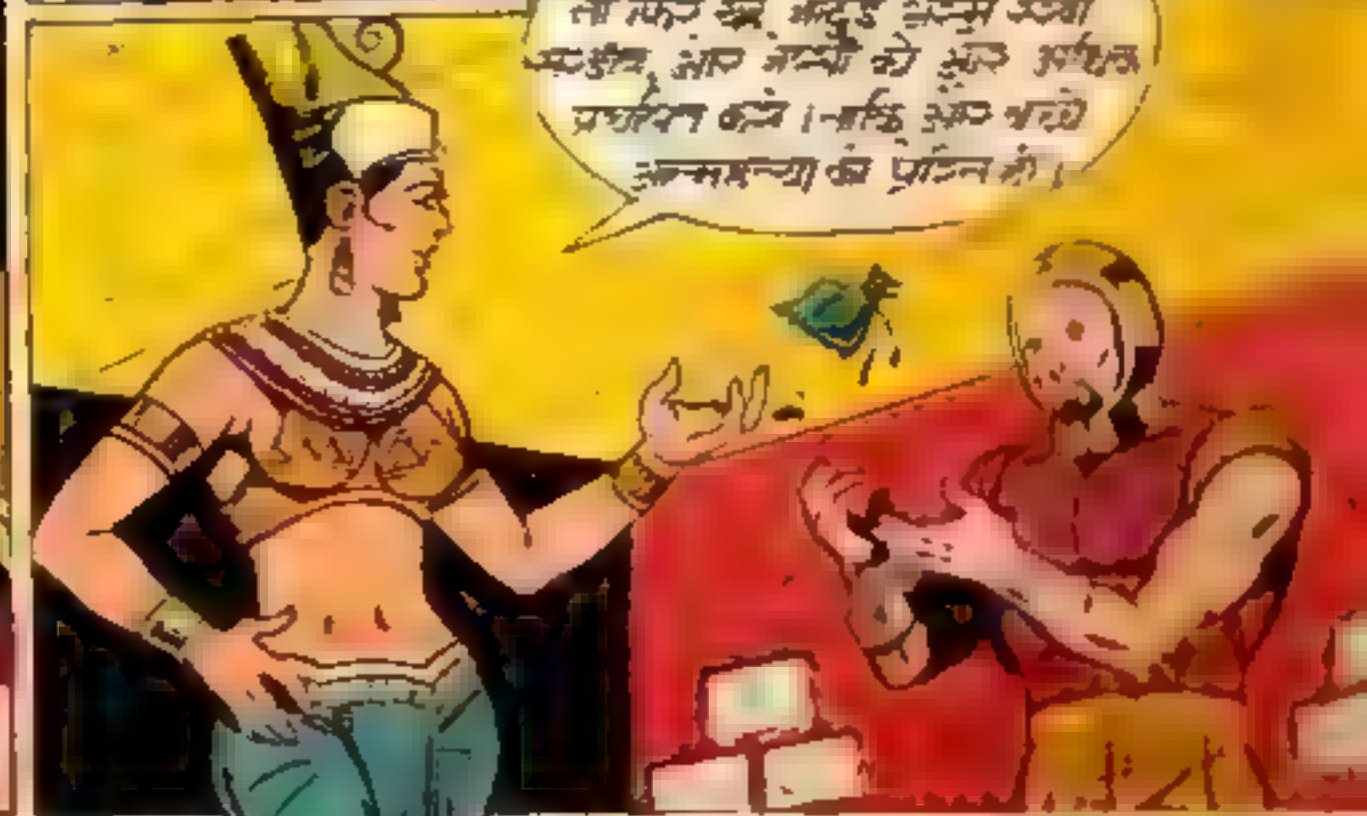
महान कृति स्वयं की
जिन्म पिता के लिए अभी
अच्छे वचन की कल्पना की
आप अह देखो अह देखो !
अच्छे वचन की कल्पना की
अच्छे वचन की कल्पना की
जिन्म पिता के लिए अभी

इस काम की
एक ने नृत्य
मिथिला महान नृत्य
स्वयं की कल्पना की
स्वयं की कल्पना की



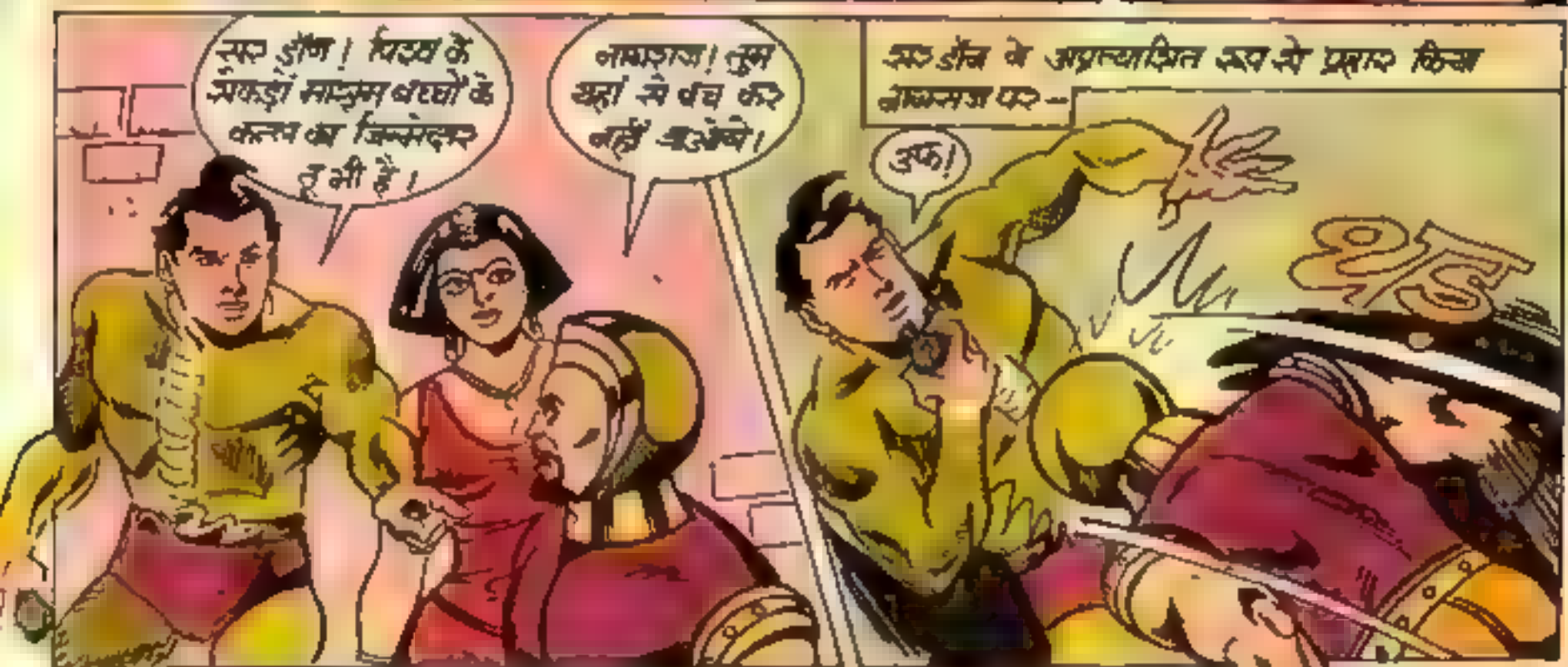
आप फिर न करें
पितृमित्र की कल्पना । मैं
इस काम की पूरा करने
में दिन-रात एक कर
दूंगा । अह देखो महान
नृत्य स्वयं की कल्पना की
मैं मित्र हूँ ।

यह — 'नामधर्म और
तात्त्विकता की धर्म'



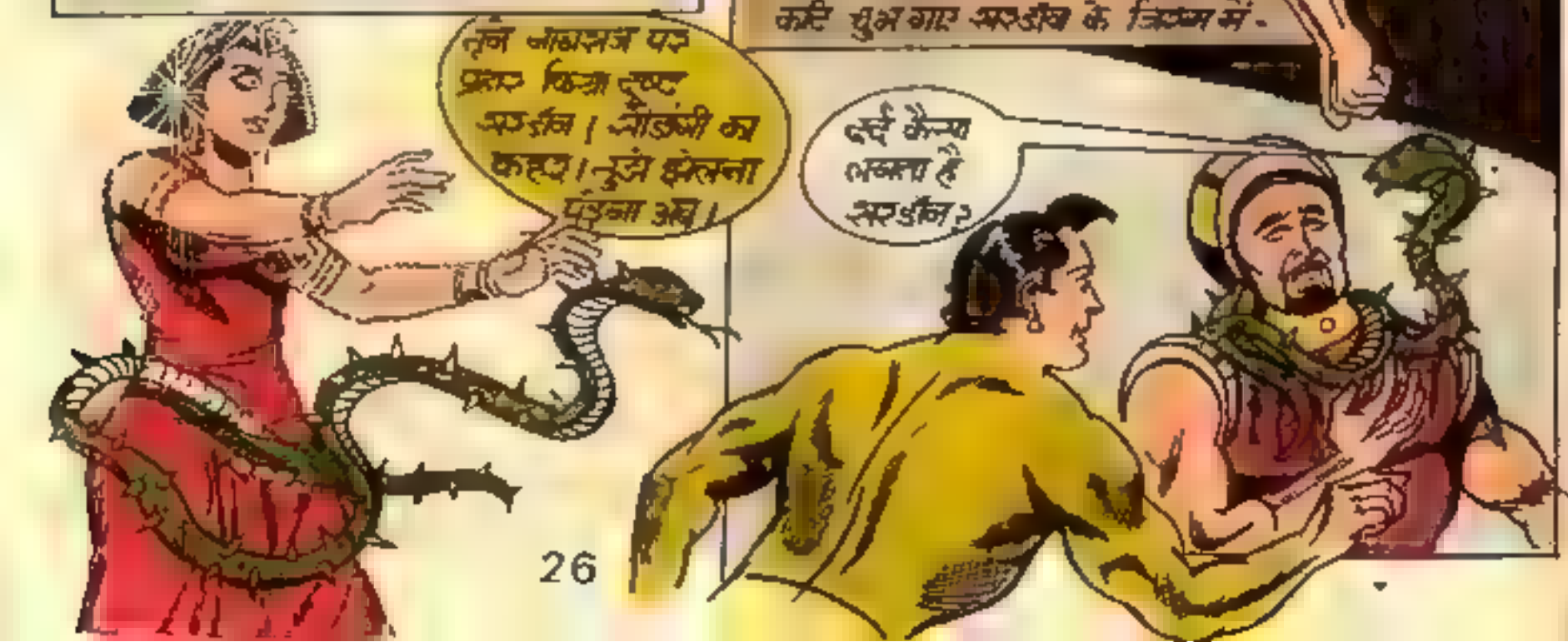
शक्ति आर्थिकता के अपनी कल्पना पर धर्म ।
पिता की कल्पना अह देखो अह देखो !
तुम फिर न करें अह देखो अह देखो !
अच्छे वचन की कल्पना की
अच्छे वचन की कल्पना की
अच्छे वचन की कल्पना की
अच्छे वचन की कल्पना की

लेकिन यह क्या? अस्म ने पहुंच कर किसी और हाथ में।



यह देख क्रोध से फलम हो करी आइली -

आइली के जिन्म पर उसे सैकड़ों कटि चुभ गए सरडीन के जिन्म में.



जब उन्होंने देखा कि किछु -



कमल की तरह वह अचानक -



कमल ने छोटी छिपकिलों से पत्थरों को भी मोम की तरह पिघल देती है।



जब इनके दो मोहों ने चमकी कर दिया -

देखा। नेरे निम्न में उनका यह नहीं है कि वह तुम्हारे सामने धुंध है।



A woman with dark hair, wearing a red sari with a green border and a green snake coiled around her waist, stands in a room. She is wearing gold jewelry, including bangles and a necklace. In the background, there is a yellow sign with black text in Hindi. The sign reads: "कुछ ही कदमों में अपनी जान से बचा सकते हैं।" (A few steps away, you can save your life). The room has a grey wall and a yellow floor. In the foreground, there is a large, colorful, abstract shape.

आज की रात
मेरे लक्ष्मण-सुख के दिन
हैं, बरसात की धारा
बिना रुक-रुक कर
आ रही हैं।

संयोजक विभागों की ओर से संयोजकता की ओर उचित
की संयोजकता का प्रभाव -

नमो भगवते वासुदेवाय ।

१५५

कलकत्ता के मुन्सिफ साहब का जवाब सुनी चीजों के विषय में।

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

संलग्नक में प्रियम में लिखक यह संकेतों की -

उफ़!



तीक्ष्ण पिघ के प्रभाव ने
चींटों का जन्म दिया -



कुछ क्षणों बाद आजाद राजा
शानाकर राज देखने चींटों
की कैद से -



अब आंखें-
समस्त रूच
नो पाएगी
मुझसे।

आंखें सामान के इशारे से लिफ्ट वह नाबख़्त के
जिप्स में गारा करने वाले सैंकड़ों सर्प -



नहीं रुक!
बचाओ:-

मुझे नो तेरे जैसा
छोटे मोल न दे सके,
किन्तु तुझे ये सर्प
जल्द मार
दायेंगे।

मरती हुई आंखें सामान के सुर से निकले अंतिम शब्द।

नाबख़्त, मेरी मौत का
कदम मारना मुझे सामान
तुझसे जरूर लेने। तैयार
रहना, अपनी जीप पूरी
करते ही वे आएंगे।
अरे!



नाबख़्त नृतेज स्वामिन के लाहून की सोच कहा -



अरेहा नृतेज स्वामिन
का लाहून कसब हो
रहा है।

देखते ही देखते जल्द ही बड़ा महाबल नृतेज का लाहून।

इस प्रकार विजय से जैप्सी का आतंक समाप्त किया
नाबख़्त ने और फिर निकल पड़ा अपने अकल
सफल पर।

